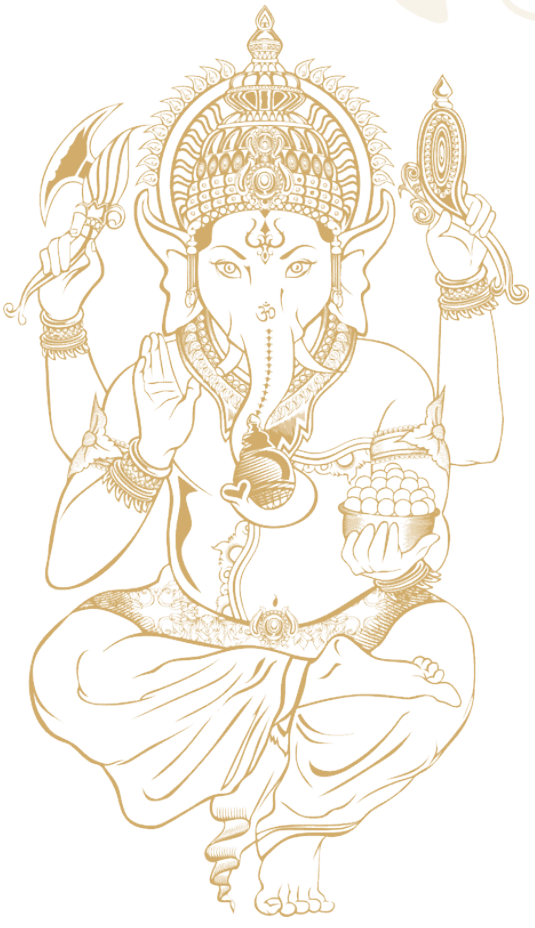

Rajat Kumar Taneja

Suhani Nanda

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121626608

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/10/1999	जन्म तिथि	01/11/2000
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 12:10:00	जन्म समय	08:30:00 घंटे
घटी 16:07:23	जन्म समय(घटी)	06:25:53 घटी
India	देश	India
Samastipur	स्थान	Gorakhpur
25:52:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
85:47:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:13:08	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:02	सूर्योदय	06:06:21
17:24:44	सूर्यास्त	17:13:38
23:50:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:49

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 6मा 13दि	17:31:19	धनु	लग्न	वृश्चि	15:16:48	केतु 1वर्ष 5मा 1दि	
गुरु	22:40:03	कन्या	सूर्य	तुला	15:07:54	सूर्य	
23/04/2020	01:50:00	तुला	चंद्र	धनु	10:37:35	04/04/2022	
23/04/2036	01:17:30	धनु	मंगल	कन्या	04:18:38	03/04/2028	
गुरु 12/06/2022	13:22:14	तुला	बुध व	तुला	10:33:36	सूर्य	22/07/2022
शनि 23/12/2024	07:52:04	मेष व	गुरु व	वृष	15:38:41	चन्द्र	21/01/2023
बुध 31/03/2027	08:05:58	सिंह	शुक्र	वृश्चि	21:43:11	मंगल	29/05/2023
केतु 06/03/2028	21:54:23	मेष व	शनि व	वृष	05:04:48	राहु	22/04/2024
शुक्र 05/11/2030	16:50:08	कर्क व	राहु व	मिथु	24:01:55	गुरु	08/02/2025
सूर्य 24/08/2031	16:50:08	मक व	केतु व	धनु	24:01:55	शनि	21/01/2026
चन्द्र 23/12/2032	19:04:57	मक व	हर्ष	मक	23:02:39	बुध	27/11/2026
मंगल 29/11/2033	07:44:30	मक व	नेप	मक	10:00:12	केतु	04/04/2027
राहु 23/04/2036	14:37:13	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:37:49	शुक्र	03/04/2028

लग्न-चलित

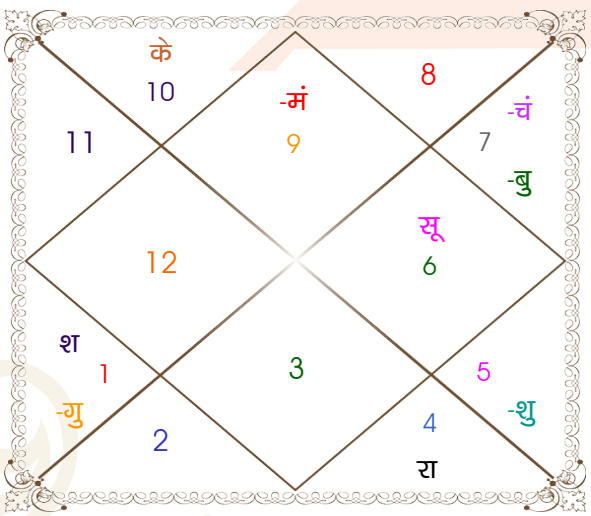

लग्न-चलित

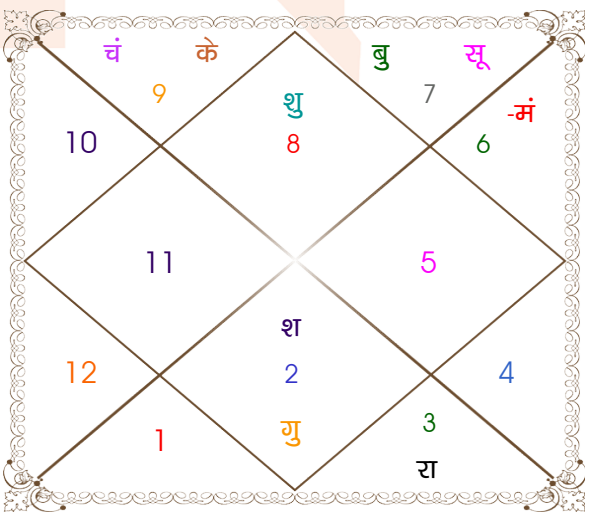

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

त्रंज ज्ञनउंत ज्ंदमरं का वर्ग मृग है तथा ैनींदप छंदकं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्रंज ज्ञनउंत ज्ंदमरं और ैनींदप छंदकं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्रंज ज्ञनउंत ज्ंदमरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

ैनींदप छंदकं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैनींदप छंदकं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रंज ज्ञनउंत ज्ंदमरं तथा ैनींदप छंदकं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।